प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन

पन्तनगर। 26 सितम्बर 2023। विश्वविद्याल में समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केन्द्र, गाजियाबाद के संयुक्त तत्वाधान में प्रसार अधिकारियों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों हेतु 'जैविक एवं प्राकृतिक खेती' विषय पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 25–26 सितम्बर, 2023 तक किया गया। समेटी समन्वयक डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) ने राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केन्द्र, गाजियाबाद के विज्ञान अधिकारी डा. चन्द्रशेखर एवं प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रशिक्षणों की रूप–रेखा इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा की। डा. चन्द्रशेखर, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केन्द्र, गाजियाबाद ने सभागार में उपस्थित प्रतिभागियों से केन्द्र द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल ने प्रतिभागियों से कहा कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती विधा अपनाकर मृदा के स्वास्थ्य में सुधार के साथ–साथ रसायनमुक्त उत्पादों का उत्पादन एवं अपने आय में कई गुना बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति की जननी पन्तनगर विश्वविद्यालय कृषकों के सहयोग एवं उत्थान हेतु कृत संकल्प है। कृषकों से अपील किया कि आगामी पन्तनगर किसान मेला अक्टूबर 13–16, 2023 को आयोजित किया जा रहा है, इसमें आप सभी बढ़–चढ़ कर भाग लें। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं समेटी समन्वयक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केन्द्र, गाजियाबाद के वैज्ञानिकों द्वारा टिकाऊ कृषि, जैविक कृषि के सिद्धांत, विधियां एवं जैविक कृषि निवेशों से मृदा स्वास्थ्य में सुधार, प्राकृतिक खेती का वर्तमान परिदृश्य में महत्व, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संवर्धन हेतु विभिन्न सरकारी योजनाएं, किसानों की आय दोगुनी करने में कृषि के विभिन्न घटकों की भूमिका, जैविक एवं प्राकृतिक खेती सम्बन्धी फसल/सब्जियों/ फलों का कटाई उपरान्त प्रबन्धन एवं मूल्यवर्धन इत्यादि के बारे में व्याख्यान दिया गया। प्रतिभागियों के प्रायोगिक क्षमता विकास हेतु समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल (फसल उत्पादन केन्द्र, पंतनगर) का भ्रमण भी कराया गया। डा. सी. तिवारी, प्राध्यापक एवं प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, नैनीताल द्वारा भी प्राकृतिक खेती एवं किसानों की आय दोगुनी करने सम्बन्धी कारकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–उत्तरकाशी, नैनीताल, रूद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, टिहरी गढ़वाल, पिथौरागढ़, चम्पावत, हरिद्वार एवं अल्मोड़ा के उपपरियोजना निदेशक, ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों सहित कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करते निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल एवं अन्य।

निदेशक संचार